

भारत में बैंक ऋण का क्षेत्रवार विनियोजन: हाल के घटनाक्रम*

बैंक ऋण में वर्ष 2019-20 में मंदी देखी गई, जिसे कोविड-19-प्रेरित तालबंदी (लॉकडाउन) के कारण वर्ष 2020-21 में एक और झटका लगा। हालांकि, आर्थिक गतिविधियों के धीरे-धीरे पुनराारंभ के साथ, कृषि और सेवा क्षेत्रों के ऋण ने हालिया अवधि में त्वरित वृद्धि दर्ज की है। औद्योगिक क्षेत्र में भी मध्यम उद्योगों को अधिक ऋण प्रदान किए जा रहे हैं। अनुभवजन्य अनुमानों से संकेत मिलता है कि खाद्येतर ऋण एक अंतराल में ब्याज दर में बदलाव के प्रति संवेदनशील है, वहीं उद्योग और सेवा क्षेत्रों में कहीं अधिक संवेदनशीलता प्रदर्शित होती है।

भूमिका

भारत जैसे विकासशील देश में अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के लिए वित्त का प्रमुख स्रोत बैंक ऋण है, हालांकि वित्त के बाजार-आधारित स्रोतों ने भी हाल के वर्षों में महत्व प्राप्त किया है। अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों के बीच बैंक ऋण का पर्याप्त और समान वितरण शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं के बीच लगातार चिंता का विषय रहा है (याकुबू और अफोइ, 2014; मर्किंडे, 2016)।

खाद्येतर ऋण में 2018-19 में काफी वृद्धि हुई थी और नवंबर 2019 में इसमें सबसे अधिक 15% की साल-दर-साल (y-o-y) की वृद्धि दर्ज की गई। आर्थिक विकास में मंदी के फलस्वरूप 2019-20 के दौरान यह काफी धीमा हो गया। कोविड-19 जन्य लॉकडाउन में मंदी के आसार तीव्र हो गए थे और दो क्रमिक तिमाहियों, अर्थात् ति1 और ति2: 2020-21 में नकारात्मक आर्थिक वृद्धि देखी गयी। आर्थिक गतिविधियों के बंद होने के कारण ऋण की मांग पर गंभीर प्रभाव पड़ा और परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में ऋण संवृद्धि में कमी आई। भारतीय रिज़र्व बैंक और सरकार ने अर्थव्यवस्था के

विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक समुत्थान को बढ़ावा देने हेतु अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों के लिए पर्याप्त और बेरोक ऋण-प्रवाह को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से कई उपाय किए हैं, क्योंकि बैंक ऋण चैनल भारत में मौद्रिक नीति संचारण का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

अर्थव्यवस्था के विभिन्न उत्पादक क्षेत्रों के लिए बैंक ऋण प्रवाह के महत्व को देखते हुए, भारतीय रिज़र्व बैंक लगभग एक महीने के अंतराल पर प्रत्येक माह के अंतिम कार्य दिवस पर बैंक ऋण के क्षेत्रवार अभिनियोजन के डेटा का संकलन और प्रकाशन करता आ रहा है। अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर करने वाले इन आंकड़ों को चुनिंदा बैंकों से एकत्र किया जा रहा है, इन बैंकों में क्षेत्रवार और औद्योगिक बैंक ऋण (एसआईबीसी) रिटर्न के माध्यम से भारत में सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) द्वारा विस्तारित कुल खाद्येतर ऋण का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा है।

यह आलेख कोविड-19 महामारी से पहले की अवधि के दौरान बैंक ऋण के क्षेत्रवार विनियोजन में हुए विकास का विश्लेषण प्रस्तुत करता है और उसकी तुलना कोविड-19 की अवधि के दौरान, यानी अप्रैल से नवंबर, 2020-21 के दौरान हुई गतिविधियों से करता है।

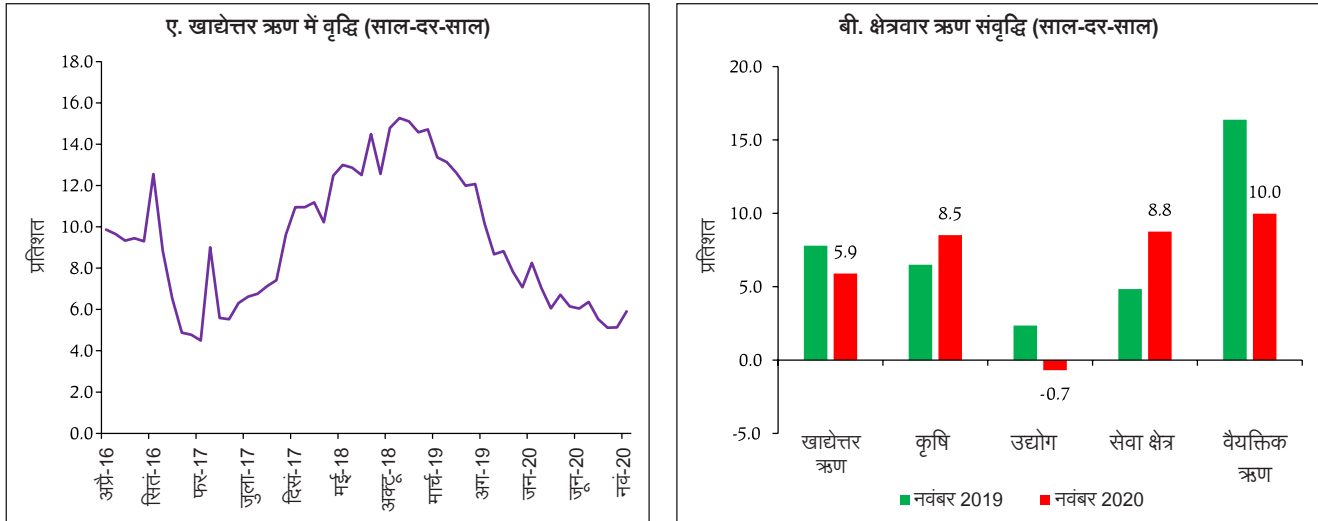
यह आलेख ब्याज दर में बदलाव के प्रति खाद्येतर ऋण की संवेदनशीलता के बारे में प्रायोगिक अनुमान देता है। यह आलेख निम्नानुसार संयोजित किया गया है: खंड II 2020-21 के दौरान खाद्येतर ऋण वृद्धि से संबंधित महत्वपूर्ण गतिविधियाँ प्रस्तुत करता है। खंड III हालिया अवधि में सेक्टरवार ऋण में प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने पर रुझान प्रस्तुत करता है। खंड IV में अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों के प्रति ऋण की ब्याज-दर संवेदनशीलता पर प्रायोगिक निष्कर्ष की प्रस्तुति खंड V में समापन टिप्पणियों के साथ हुई है।

II. वर्ष 2020-21 में खाद्येतर ऋण संवृद्धि: महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

खाद्येतर ऋण में 2018-19 में तेजी से वृद्धि हुई थी, जबकि 2019-20 में यह काफी धीमी हो गई; मार्च 2020 में यह वृद्धि 6.1 प्रतिशत थी, जबकि एक साल पहले यह 13.4 प्रतिशत थी। नवंबर 2020 में इसमें 5.9 प्रतिशत तक की गिरावट आयी,

* यह आलेख भारतीय रिज़र्व बैंक के मौद्रिक नीति विभाग के आनंद प्रकाश और सुजीश कुमार द्वारा तैयार किया गया है। डॉ. राजीव रंजन द्वारा मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए लेखक आभारी हैं। इस आलेख को तैयार करने में श्री सागर सुनील बाधे द्वारा प्रदान की गई सहायता के लिए लेखक उन्हें कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। इस आलेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और ये भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारों को व्यक्त नहीं करते हैं।

चार्ट 1: खाद्येत्तर ऋण में वृद्धि- प्रमुख क्षेत्र



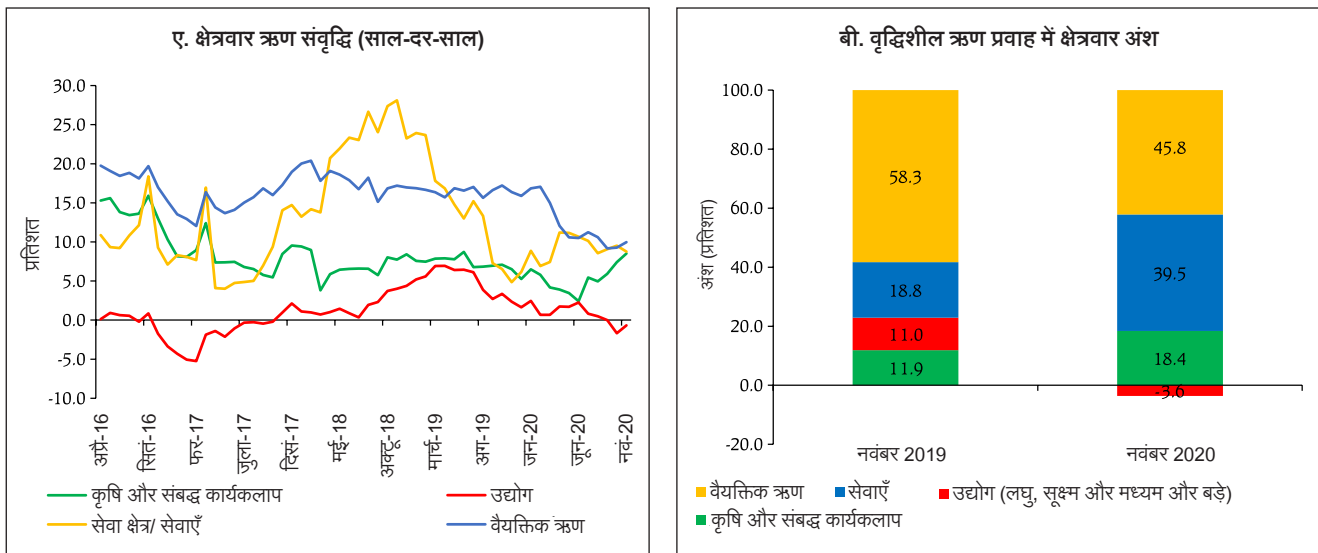
टिप्पणियाँ: खाद्येत्तर ऋण आंकड़े सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले धारा 42 विवरणी पर आधारित हैं। क्षेत्रवार ऋण आंकड़े चुनिन्दा बैंकों से संबन्धित हैं, जो कि सभी एससीबी द्वारा विस्तारित कुल खाद्येत्तर ऋण का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा है।

जबकि एक साल पहले यह 7.8 प्रतिशत थी (चार्ट 1ए)। इस व्यापक गिरावट का कारण आर्थिक मंदी के कारण सभी प्रमुख क्षेत्रों में हो रही निम्नतर वृद्धि थी। महामारी-जन्य तालाबंदी (लॉकडाउन) के परिणामस्वरूप 2020-21 की पहली छमाही में समग्र आर्थिक गतिविधियों में तीव्र संकुचन हुआ। हालांकि, हाल के महीनों कृषि क्षेत्र के लिए ऋण संवृद्धि में कायापलट हुआ है। सेवा क्षेत्र में ऋण वृद्धि 2019-20 की दूसरी छमाही में बहुत मंद

हो गयी थी, उसमें भी हालिया महीनों में तेजी आई है (चार्ट 1बी और 2ए)।

ऋण वृद्धि में सकारात्मक बदलाव के कारण, सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी में नवंबर 2019 और नवंबर 2020 के बीच वृद्धिशील ऋण प्रवाह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई (चार्ट 2बी)। औद्योगिक क्षेत्र में नवंबर 2019 और नवंबर 2020 के मध्य ऋण वृद्धि ऋणात्मक हो

चार्ट 2: ऋण संवृद्धि और अंश - प्रमुख क्षेत्र



टिप्पणियाँ: आंकड़े चुनिन्दा बैंकों से संबन्धित हैं, जो कि सभी एससीबी द्वारा विस्तारित कुल खाद्येत्तर ऋण का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा हैं।

गई और इस अवधि के दौरान वृद्धिशील ऋण प्रवाह में ऋणात्मक हिस्सेदारी दर्ज की गई। कुल वृद्धिशील ऋण प्रवाह में व्यक्तिगत ऋणों की हिस्सेदारी भी नवंबर 2019 में 58 प्रतिशत से घटकर नवंबर 2020 में लगभग 46 प्रतिशत हो गई, जिससे इस क्षेत्र में ऋण की वृद्धि में गिरावट आई।

क्षेत्रवार ऋण डेटा के एक और विश्लेषण से पता चलता है कि निजी क्षेत्र के बैंकों (पीवीबी) ने नवंबर 2020 में खाद्येत्तर ऋण में 31.9 प्रतिशत की हिस्सेदारी दर्ज करते हुए, ऋण में आई शिथिलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पीवीबी द्वारा दिये गये खाद्येत्तर ऋण नवंबर 2020 में घटकर 9.0 प्रतिशत हो गया, जबकि एक साल पहले यह 13.5 प्रतिशत था। हालांकि, खाद्येत्तर ऋण में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का हिस्सा लगभग 65 प्रतिशत था, जिन्होंने नवंबर 2019 में 4.5 प्रतिशत की तुलना में नवंबर 2020 में 5.2 प्रतिशत की उच्चतर वृद्धि दर्ज की। हालिया समय में कृषि और सेवा क्षेत्रों के लिए ऋण में त्वरित वृद्धि का श्रेय मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को जाता है, वे समग्र औद्योगिक ऋण में संकुचन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वैयक्तिक ऋण के क्षेत्र में निजी क्षेत्र के बैंकों (पीवीबी) की महत्वपूर्ण उपस्थिति होने के कारण ने वैयक्तिक ऋण की वृद्धि में तीव्र मंदी को प्रेरित किया है। इससे स्पष्ट होता है कि सार्वजनिक

क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) महामारी अवधि में ऋण संवृद्धि के पुनःप्रवर्तन का नेतृत्व कर रहे हैं (सारणी 1)।

वर्ष 2019-20 की पहली छमाही के बाद से ऋण संवृद्धि में तीव्र हास के परिणामस्वरूप मार्च 2019 और सितंबर 2020 के बीच ऋण-जमा (सीडी) अनुपात में तेजी से गिरावट आई है। ऋण संवृद्धि की तुलना में जमाराशि में अधिक वृद्धि के परिणामस्वरूप बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष तरलता आयी है, जिसके कारण बैंक सरकारी प्रतिभूतियों में अधिक निवेश कर रहे हैं। ऋण-जमा (सीडी) अनुपात में गिरावट सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) और निजी क्षेत्र के बैंकों (पीवीबी), दोनों के मामले में देखी गई थी (सारणी 2)।

II.1 वर्ष 2020-21 के दौरान ऋण प्रवाह (अक्टूबर 2020 तक)

अप्रैल-फरवरी 2019-20 से संबंधित ऋण प्रवाह डेटा महामारी-पूर्व की अवधि का वर्णन करते हैं, जबकि अप्रैल-अक्टूबर 2020 महामारी की अवधि से संबंधित हैं।¹ महामारी-पूर्व की अवधि में 22.8 प्रतिशत संवृद्धि की तुलना में महामारी की अवधि के दौरान संवितरित नए ऋण की संवृद्धि (वर्षानुवर्ष) तेजी से घटकर 8.1 प्रतिशत पर आ गई (चार्ट 3)। महामारी-पूर्व की अवधि के दौरान पूर्वभुगतान में 32.4 प्रतिशत की उच्चतर वर्षानुवर्ष संवृद्धि हुई, जबकि महामारी की अवधि में यह 17.8 प्रतिशत थी। यहां तक कि पुनर्भुगतान में भी कमी आयी है और महामारी-पूर्व की अवधि की तुलना में महामारी की अवधि के दौरान रोलओवर बढ़े हैं। इस प्रकार, महामारी-पूर्व की अवधि में होने वाली डीलिवरेजिंग की सीमा महामारी के दौरान कम होती लग रही है। यह भी प्रतीत होता है कि कंपनियाँ (कॉर्पोरेट्स) और परिवारों ने ऋण चुकौती पर अधिस्थगन (लोन रिपेमेंट पर मोराटोरियम) का उपयोग संकट के कारण उत्पन्न निधियन दबाव से उबरने के लिए कर लिया है।

सारणी 1: प्रमुख क्षेत्रों की ऋण संवृद्धि के साथ कुल ऋण में उनका शेयर

प्रमुख क्षेत्र	सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक		निजी क्षेत्र के बैंक		सभी बैंक	
	नवंबर-2019	नवंबर-2020	नवंबर-2019	नवंबर-2020	नवंबर-2019	नवंबर-2020
खाद्येत्तर ऋण	4.5 (65.4)	5.2 (64.8)	13.5 (31.1)	9.0 (31.9)	7.2 (100)	6.0 (100)
कृषि	4.4 (76.4)	7.6 (75.7)	13.1 (22.2)	10.7 (22.7)	6.5 (100)	8.5 (100)
उद्योग	0.4 (67.8)	-2.1 (66.9)	8.0 (27.8)	4.3 (29.2)	2.4 (100)	-0.7 (100)
सेवाएँ	3.2 (62.7)	9.1 (62.9)	7.0 (32.3)	8.8 (32.3)	4.8 (100)	8.8 (100)
वैयक्तिक ऋण	12.1 (59.9)	9.1 (59.4)	25.6 (37.8)	12.5 (38.7)	16.4 (100)	10.0 (100)

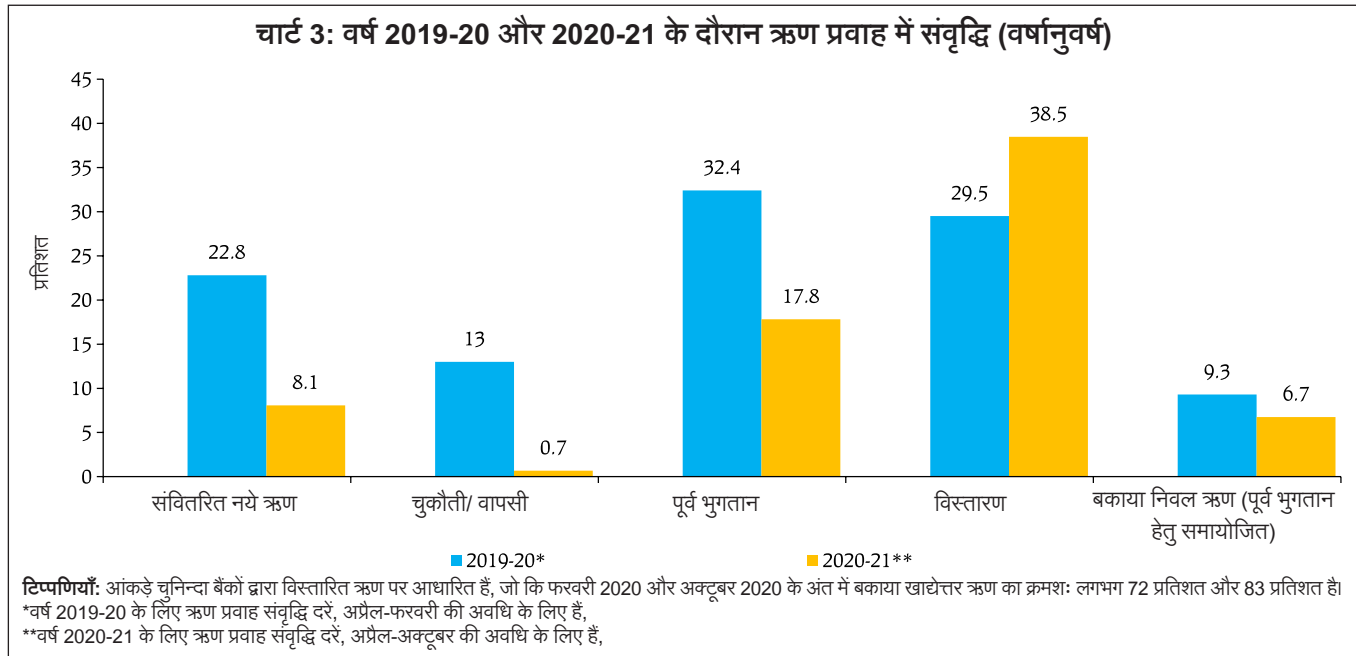
टिप्पणियाँ: खाद्येत्तर ऋण आंकड़े सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले धारा 42 विवरणी पर आधारित हैं। कोष्ठकों में दिये गए आंकड़े कुल हिस्से में शेयर दर्शाते हैं। कुल शेयरों का मूल्य 100 नहीं है क्योंकि इसमें विदेशी बैंकों का शेयर नहीं लिया गया है।

सारणी 2: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का ऋण-जमा अनुपात

बैंक समूह	कोविड-पूर्व अवधि		कोविड की अवधि में
	मार्च-19	मार्च-20	सितंबर-20
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक	72.85	70.18	66.40
निजी क्षेत्र के बैंक	91.36	90.45	86.73
सभी बैंक	78.18	76.00	72.04

स्रोत: आरबीआई, डीबीआई

¹ ऋण प्रवाह डेटा को नियमित एसआईबीसी विवरणी के भाग के रूप में नहीं मांगा जा रहा है और आवश्यकतानुसार चुनिन्दा बैंकों से एकत्र किया जा रहा है।



III. अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों के लिए बैंक ऋण

III.1 कृषि और संबद्ध कार्यकलाप

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, एक साल पहले की तुलना में नवंबर 2020 में कृषि और संबद्ध कार्यकलापों के लिए ऋण संवृद्धि में तेजी आई। हालिया महीनों में इस क्षेत्र में ऋण संवृद्धि बढ़ रही है जो कि जून 2019 के बाद से नवंबर 2020 में सबसे अधिक रही है। कृषि क्षेत्र, प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र उधार का एक हिस्सा है, जिसके लिए ऋण में वृद्धि इस क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन का सूचक है।

पीएसबी के कुल ऋण पोर्टफोलियो में कृषि की हिस्सेदारी पीवीबी की तुलना में अधिक थी। जबकि पीएसबी और पीवीबी दोनों के लिए कृषि ऋण वृद्धि में बढ़ोतरी हुई, पीवीबी के मामले में यह वृद्धि अधिक रही। उच्च वृद्धि के कारण, एससीबी के बकाया खाद्येतर ऋण में यद्यपि कृषि का हिस्सा लगभग 13 प्रतिशत रहा, नवंबर 2019 और नवंबर 2020 बैंक के बीच वृद्धिशील ऋण में इसकी हिस्सेदारी में काफी तेजी आई। लॉकडाउन के बावजूद, कृषि क्षेत्र ने 2019-20 में रिकॉर्ड उत्पादन के बूते पर अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन किया है। कृषि क्षेत्र का अच्छा प्रदर्शन ग्रामीण उपभोग और औद्योगिक क्षेत्र में पुनरुत्थान के लिए अच्छा संकेत है जिसका आगे चलकर औद्योगिक क्षेत्र के लिए

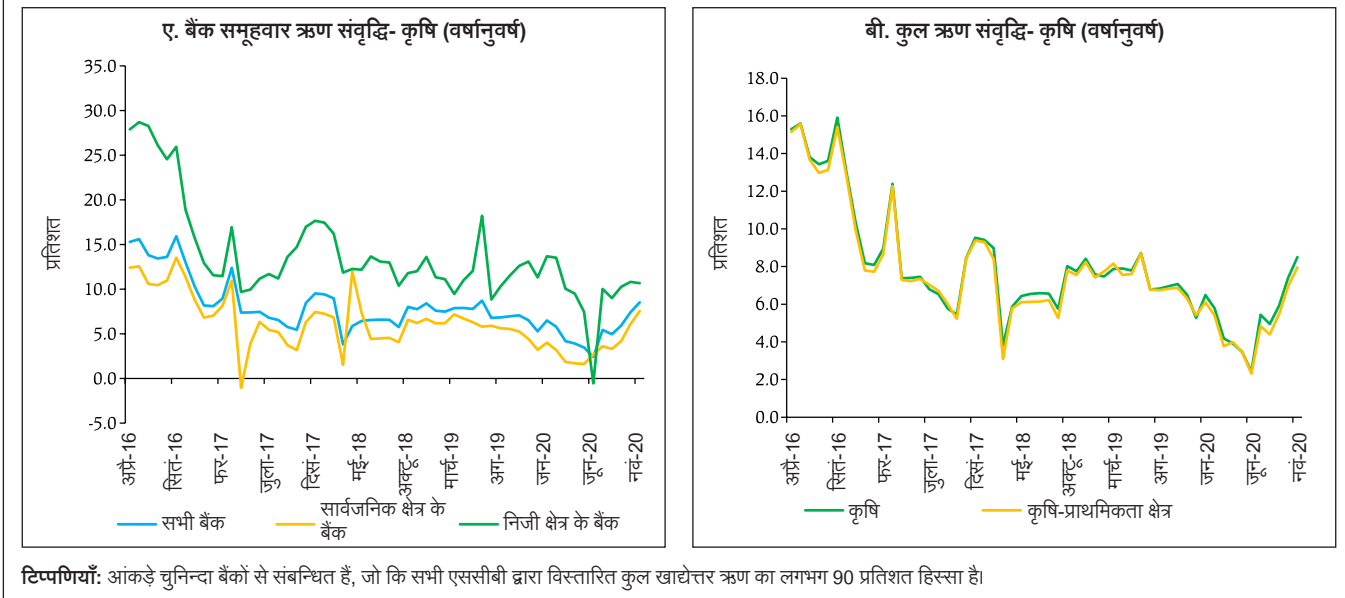
ऋण पर एक अच्छा प्रभाव पड़ सकता है (चार्ट 4, अनुलग्नक-टी1 और टी2)।

III.2 उद्योग

औद्योगिक ऋण (इंडस्ट्रियल क्रेडिट) के अंतर्गत सूक्ष्म और लघु, मध्यम और बड़े उद्योगों को दिया जाने वाला ऋण आता है। यह विभाजन प्लांट और मशीनरी में फर्मों के निवेश और उनके कारोबार (टर्नओवर) के अनुसार होता है।² नवंबर 2020 की स्थिति के अनुसार, औद्योगिक क्षेत्र को जाने वाले ऋण का लगभग 82 प्रतिशत हिस्सा बड़े उद्योगों को था और शेष सूक्ष्म, लघु और मध्यम को। हाल के वर्षों में औद्योगिक क्षेत्र को जाने वाला ऋण सामान्यतः कमजोर रहा है। अप्रैल 2019 में 6.9 प्रतिशत की ऊँचाई हासिल हुई थी, लेकिन तब से ऋण उठाव (क्रेडिट ऑफटेक) में लगातार गिरावट है, और अक्टूबर 2020 में ऋण वृद्धि ऋणात्मक हो गई थी। ऋण वृद्धि में हालिया गिरावट मुख्य रूप से बड़े उद्योगों के कारण थी। बड़े उद्योगों में दबावग्रस्त आस्तियों के कारण, इन उद्योगों को उधार देने के मामले में बैंकों

² मूलभूत सांख्यिकीय विवरणी (बीएसआर) प्रणाली/ राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी) में वर्गीकरण के अनुरूप औद्योगिक क्षेत्र और औद्योगिक क्षेत्र की 18 व्यापक उप-श्रेणियों पर बकाया ऋण की जानकारी को एसआईबीसी रिटर्न के माध्यम से एकत्र किया जाता है।

चार्ट 4: कृषि के लिए ऋण संवृद्धि



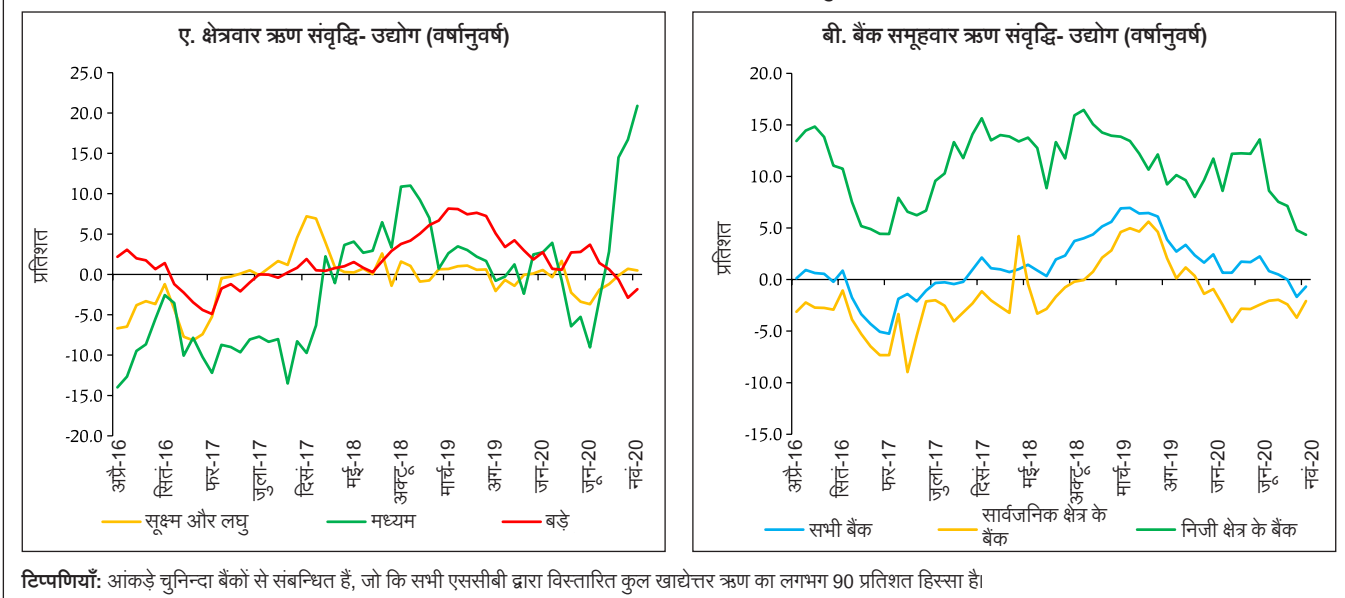
की ओर से एक सामान्य अनिच्छा थी तथा इस समस्या को और जटिल बना दिया महामारी ने।

यद्यपि नवंबर 2020 में बड़े उद्योगों को जाने वाली ऋण में वृद्धि ऋणात्मक हो गई थी, लेकिन इसके बीच आशा की किरण मध्यम उद्योगों के लिए ऋण की मजबूत वृद्धि रही है। सूक्ष्म और

लघु उद्योगों के लिए ऋण ने नवंबर 2019 और नवंबर 2020 (चार्ट 5.ए) के बीच मामूली वृद्धि दर्ज की।

पीएसबी द्वारा औद्योगिक क्षेत्र को दिए गए क्रेडिट (ऋण) में संकुचन दिसंबर 2019 में शुरू हुआ और 2020 में अबाध जारी है। पीवीबी द्वारा औद्योगिक ऋण वृद्धि जून 2020 तक अधिकांशतः

चार्ट 5: उद्योग के लिए ऋण संवृद्धि



दोहरे अंकों में थी। तथापि, तब से इसमें काफी तेजी से हास हुआ है और नवंबर 2020 में यह 4.3 प्रतिशत के निम्न स्तर को छू गया (चार्ट 5.बी)। 2021 में और उसके बाद समुत्थान के लिए तैयार भारतीय अर्थव्यवस्था को देखते हुए, औद्योगिक क्षेत्र को जाने वाले ऋण में बेहतरी की प्रत्याशा है।

III.2.ए. औद्योगिक उपक्षेत्र को ऋण

जहां तक औद्योगिक उपक्षेत्र में ऋण का सवाल है, 'खाद्य-प्रसंस्करण', 'पेट्रोल', 'कोयला उत्पाद और परमाणु ईंधन', 'चमड़ा तथा चमड़े के उत्पाद', 'कागज़ और कागज़ के उत्पाद', 'खनन और उत्खनन', 'काँच और काँच के बने पदार्थ', 'कपड़े', 'पेय पदार्थ और तंबाकू', और 'वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपकरण', के ऋण ने नवंबर 2020 में त्वरित वृद्धि दर्ज की। हालांकि, 'रबड़, प्लास्टिक और उनके उत्पाद', और 'निर्माण' की ऋण वृद्धि में गिरावट आयी, जबकि 'सीमेंट और सीमेंट के उत्पाद', 'सभी अभियांत्रिकी', 'रत्न एवं आभूषण', 'आधारिक संरचना', और 'मूल धातु और धातु के उत्पाद', में ऋण वृद्धि सिकुड़ गयी (चार्ट 6)।

III.2.बी. सूक्ष्म, छोटे और मध्यम उद्यम (एमएसएमई)

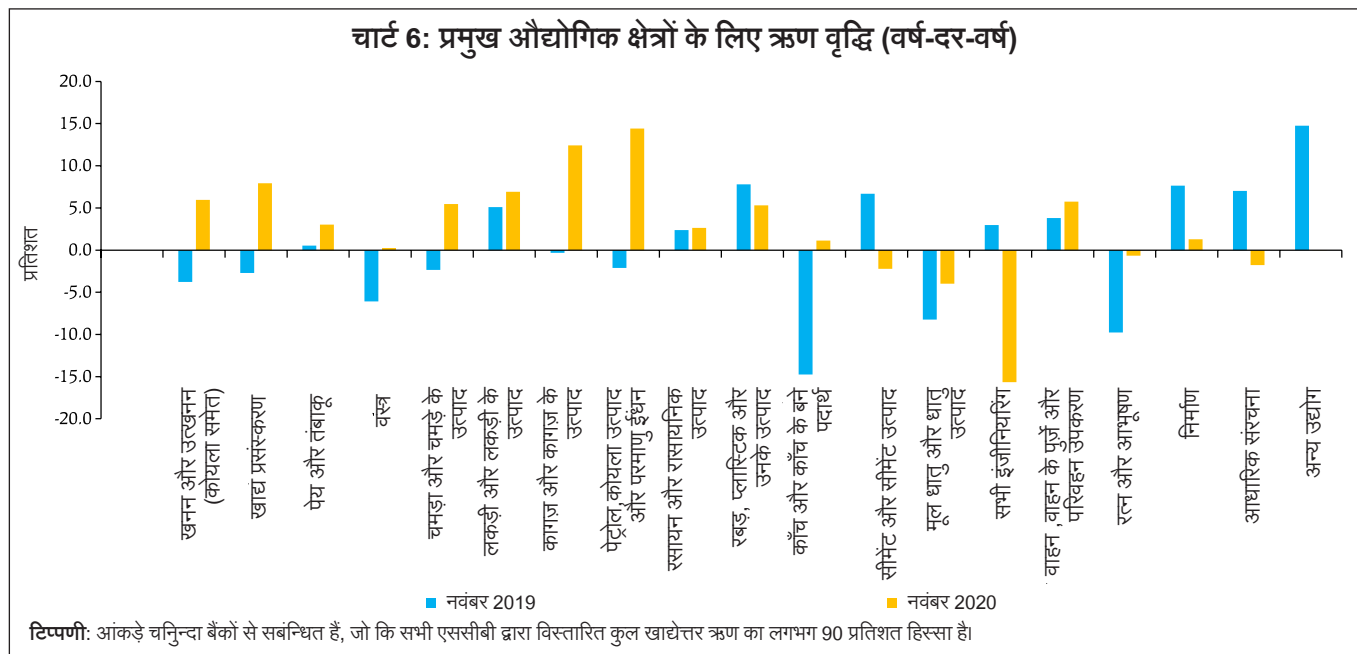
नवंबर 2020 के औद्योगिक ऋण में 18 प्रतिशत तथा एससीबी द्वारा विस्तारित खाद्येत्तर ऋण में 5 प्रतिशत भाग

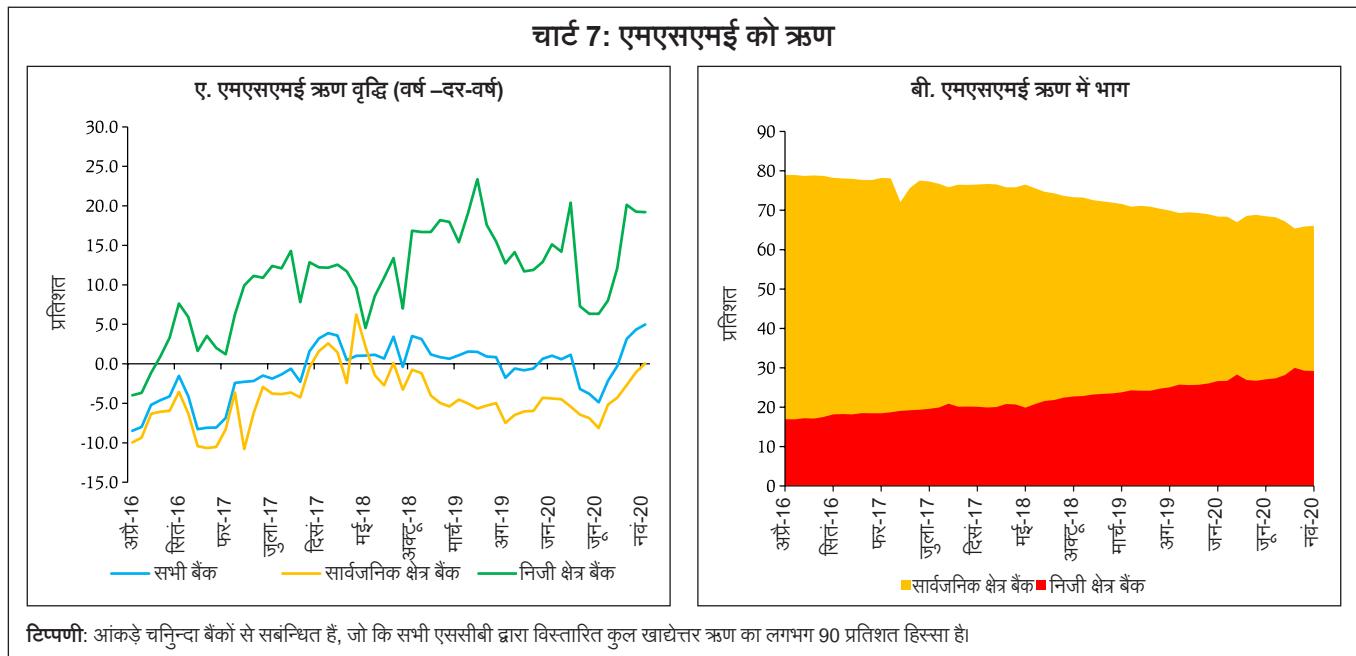
एमएसएमई क्षेत्र का था। एमएसएमई ऋण का विकास हाल के वर्षों में कम ही था, महामारी की वजह से और कम हो गया। हालांकि, इस क्षेत्र के ऋण में कुछ बदलाव रहा है, हाल के महीनों में ख़ास कर मध्यम उद्योगों के लिए विस्तारित ऋण वृद्धि में तेजी से बढ़ोतरी के कारण।

मध्यम उद्योगों के लिए ऋण वृद्धि में तेजी से बढ़त के कारण, एक साल पहले जो पूरा ऋण एमएसएमई क्षेत्र के लिए 0.6 प्रतिशत पर सिकुड़ गया था, उसकी तुलना में नवंबर 2020 में यह बढ़कर 5.0 प्रतिशत हो गया। यह भारत सरकार तथा रिज़र्व बैंक द्वारा इस क्षेत्र में महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए उठाए गए कदमों के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है। पीएसबी तथा पीवीबी दोनों के द्वारा एमएसएमई क्षेत्र के लिए ऋण वितरण में जुलाई 2020 से कुछ सुधार देखे गए (चार्ट 7ए और 7बी)।

III.2.सी. आधारिक संरचना

नवंबर 2020 के औद्योगिक ऋण में करीब 36.6 प्रतिशत भाग आधारिक संरचना का था। आधारिक संरचना क्षेत्र के ऋण, ने 2009-10 के समय से काफी गिरावट देखी तथा 2016-17 और 2017-2018 के समय तो सिमट-सा गया था। 2018-19 में वापसी की। 2018-19 में आधारिक संरचना क्षेत्र में ऋण वृद्धि में





तेज़ी से उछाल बैंकों द्वारा खास कर निवेशकों को बिजली, सड़क और बंदरगाह, दूरसंचार, और अन्य आधारिक संरचना क्षेत्र जैसे निर्माण, रेलवे, तेल टर्मिनल और जलमार्ग क्षेत्र में ऋण वितरण के पीछे था। हालांकि, 2019-20 और 2020-21 तक यह गति बरकरार नहीं रह सकी।

आधारिक संरचना ऋण में सबसे ज़्यादा भाग बिजली क्षेत्र का है जो कि 55 प्रतिशत है उसके बाद सड़क और बंदरगाह (करीब 20 प्रतिशत) और दूरसंचार (10 प्रतिशत) हैं। सड़क और बंदरगाह तथा दूरसंचार क्षेत्र के ऋण अब तक के आधारिक संरचना ऋण वृद्धि के प्रमुख चालक रहे हैं लेकिन हाल के समय में, सड़क और बंदरगाह क्षेत्र में केवल ऋण वृद्धि हो रही है, जबकि दूरसंचार और बिजली क्षेत्र में गिरावट देखी गयी (चार्ट 8ए)।

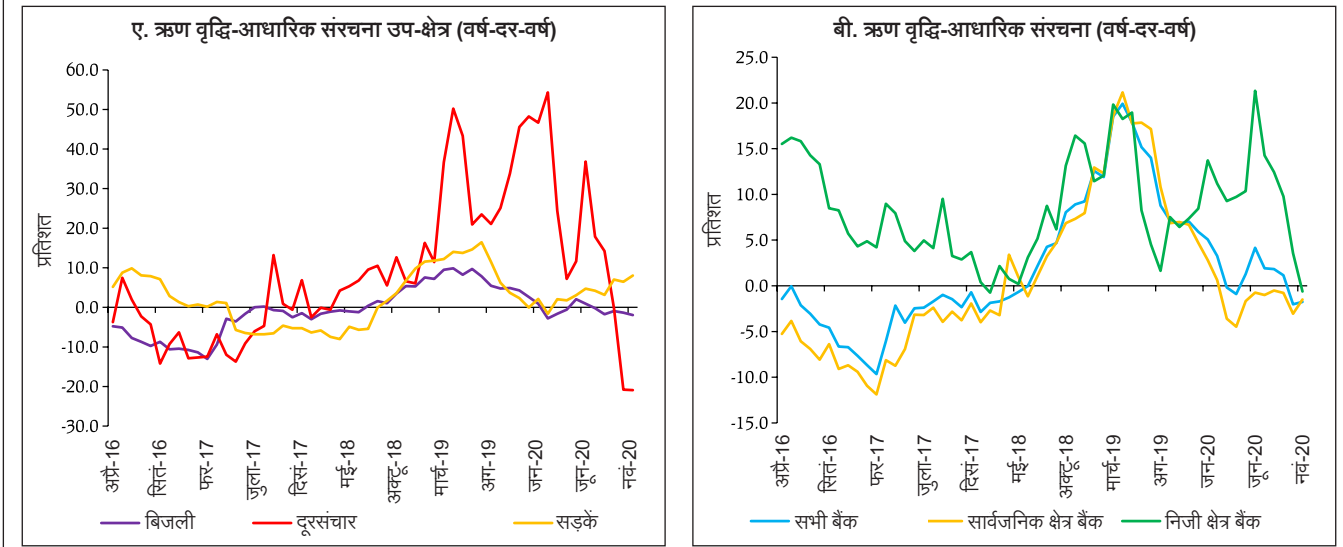
पीएसबी, जो कि सबसे आगे है, आधारिक संरचना ऋण के 76 प्रतिशत के साथ, ने गिरावट का नेतृत्व किया। पीवीबी, ने भी जो कि काफी सुदृढ़ थे पहले, हाल के महीनों में आधारिक

संरचना क्षेत्र की ऋण वृद्धि में काफी तेज़ी से गिरावट देखी (चार्ट 8बी)।

III.3 सेवा क्षेत्र

हालांकि 2018-19 में सेवा क्षेत्र में ऋण वृद्धि काफी मजबूत थी, 2019-20 में इसकी रफ्तार जाती रही। जबकि, महामारी की वजह से औद्योगिक ऋण और व्यक्तिगत ऋण वृद्धि में साफ़ कमी देखी गयी, इसके विपरीत सेवा क्षेत्र में ऋण वृद्धि नीचे की ओर गयी और त्वरित विकास दिखाया गया, यह तेज़ी मुख्यतः 'व्यापार' और 'परिवहन संचालक' के वजह से थी। इसके अलावा 'पर्यटन, होटल, और रेस्तरां' ने भी महामारी के बावजूद भी त्वरित वृद्धि दर्ज की। हालांकि, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी), जो कि सबसे क्षेत्र के सबसे बड़े घटक हैं, उनकी ऋण वृद्धि में तेज़ी से गिरावट आयी (चार्ट 9ए)। महत्वपूर्ण रूप से, पीएसबी और पीवीबी दोनों के द्वारा सेवा क्षेत्र को दिया हुआ ऋण 2020-21 तक सुदृढ़ता दिखायी दी (चार्ट 9बी)।

चार्ट 8: आधारिक संरचना के लिए ऋण



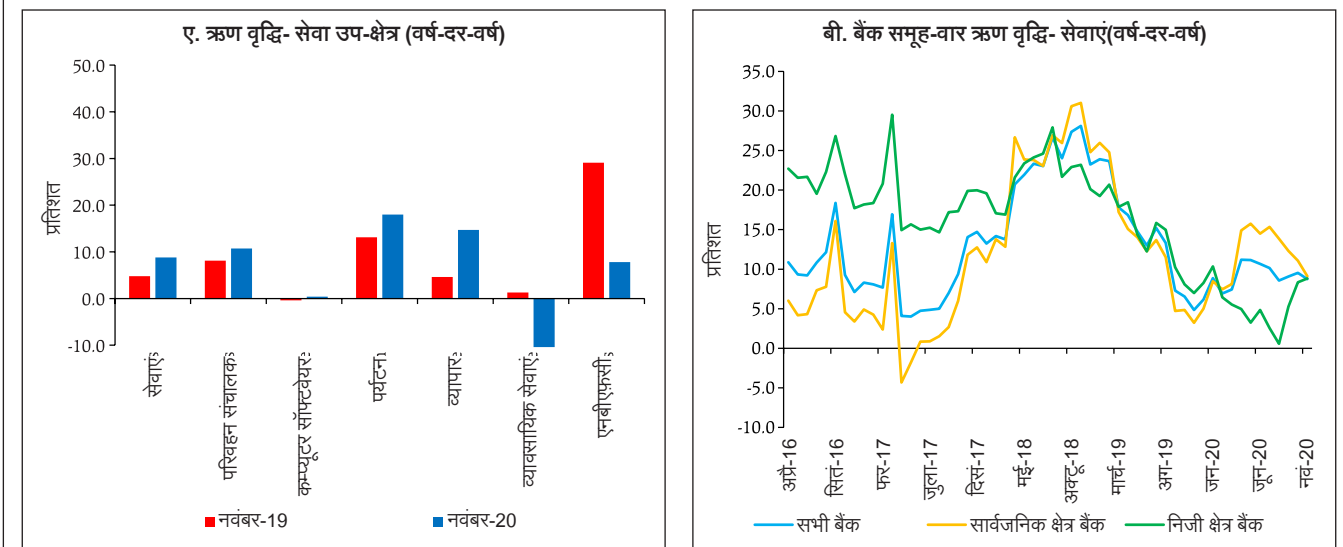
टिप्पणी: आंकड़े चनिन्दा बैंकों से संबन्धित हैं, जो कि सभी एससीबी द्वारा विस्तारित कुल खाद्येत्तर ऋण का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा है।

III.3.ए एनबीएफसी क्षेत्र

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) वाणिज्यिक क्षेत्र के लिए वित्त के वैकल्पिक चैनल के रूप में काम करती हैं। एससीबी द्वारा विस्तारित ऋण वृद्धि को इस क्षेत्र में पिछले दशक से ही कम किया गया और 2007-08 की तुलना में 2017-18 में तो करीब आधा ही कर दिया गया। नवम्बर 2016 से इस क्षेत्र में ऋण वृद्धि

में काफी गिरावट आयी, हालांकि 2018-19 में इस क्षेत्र में तेजी देखी गयी। एससीबी द्वारा इस क्षेत्र में विस्तारित ऋण वृद्धि में 2019-20 में कमी आने का कारण अगस्त 2018 में इनफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग और फाईनेंशियल सर्विसेज (आईएलएफएस) संकट के बाद एनबीएफसी का तरलता तनाव तथा रेटिंग का गिर जाना और साथ ही बैंकों का इस क्षेत्र में वित्त पोषण में सतर्क हो जाना था।

चार्ट 9: सेवा (क्षेत्र) के लिए ऋण



टिप्पणी: आंकड़े चनिन्दा बैंकों से संबन्धित हैं, जो कि सभी एससीबी द्वारा विस्तारित कुल खाद्येत्तर ऋण का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा है।

नतीजतन, एनबीएफसी क्षेत्र ने मार्च 2020 में ऋण वृद्धि में गिरावट देखी। लॉकडाउन ने इस क्षेत्र में ऋण वृद्धि को और धीमा कर दिया और नवम्बर 2020 तक तो यह और नीचे आ गया।

रिजर्व बैंक ने इस क्षेत्र की तरलता की समस्या को दूर करने के लिए कई कदम उठाए, लक्षित दीर्घावधि रेपो परिचालन (टीएलटीआरओ) की शुरुआत भी उसमें शामिल है, जिसका लक्ष्य एनबीएफसी, खास कर छोटे और सूक्ष्म वित्तीय संस्थान (एमएफआई) को तरलता सहायता देना है। 5 फरवरी, 2021 की मौद्रिक नीति वक्तव्य में एमएसएमई उद्यमियों को ऋण प्रवाह को प्रोत्साहित करने के उपाय और सदा-सुलभ योजना पर टीएलटीआरओ में एनबीएफसी का समावेश इस दिशा में उठाए गए कदम हैं।

III.3.बी व्यापार

व्यापार क्षेत्र ने महामारी की अवधि में जुलाई 2020 से ऋण वृद्धि में निरंतरता के साथ बढ़ते हुए अच्छा प्रदर्शन किया। थोक एवं खुदरा व्यापार में ऋण वृद्धि अच्छी रही, खास कर तबके समय में जब लॉकडाउन के बाद अर्थव्यवस्था धीरे धीरे खुली। इस क्षेत्र ने वार्षिक आधार पर भी वृद्धि देखी जैसे मार्च 2020 से उपर नवम्बर 2020. परिणामस्वरूप, वार्षिक वृद्धिशील बैंक ऋण में

व्यापार के भाग में नवम्बर 2019 के थोड़े से 3.8 प्रतिशत से नवम्बर 2020 तक 14.1 प्रतिशत तक तेजी से वृद्धि हुई (अनुबंध सारणी-टी2)।

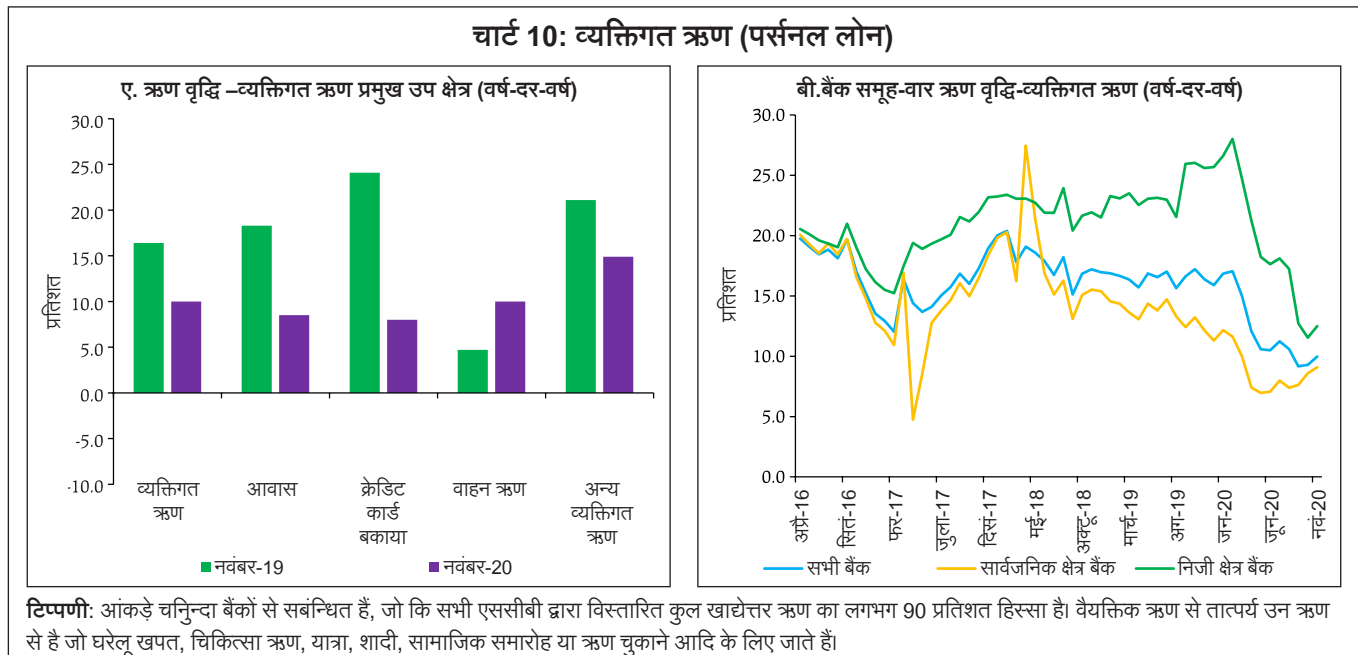
III.4. व्यक्तिगत ऋण

व्यक्तिगत ऋण क्षेत्र ने हाल के वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया है, दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज करायी है। 2019-20 के समय आवास ऋण वृद्धि तथा क्रेडिट कार्ड बकाया में गिरावट के कारण कुछ कमी देखी गयी थी। हालांकि, लॉकडाउन लगने के बाद, व्यक्तिगत ऋण ने निरंतर गिरावट दर्ज करायी। इस क्षेत्र में, हालांकि, 'वाहन ऋण' अच्छा प्रदर्शन करता रहा। आवास ऋण, जो कि वैयक्तिक ऋण का सबसे बड़ा घटक है, नवंबर 2020 तक वृद्धि की गति खो दी (चार्ट 10 ए)।

पीवीबी आगे रहा है व्यक्तिगत ऋण क्षेत्र में। जबकि, महामारी ने पीवीबी के व्यक्तिगत ऋण वृद्धि को धीमा कर दिया। हालांकि, अक्टूबर 2020 की तुलना में नवंबर 2020 में कुछ सुधार हुआ है (चार्ट 10बी)।

III.4.ए वाहन ऋण

वाहन ऋण क्षेत्र सामान्य रूप से निजी उपयोग के लिए वाहन ऋण कवर करता है, जैसे कार और दो पहिये के लिए। यद्यपि नियामक शर्तों जैसे भारत VI मानदंड, नए बीमा मानदंड, और



जीएसटी के कार्यान्वयन ने प्रभावित किया था वाहन की बिक्री को, वाहन ऋण वृद्धि 2019-20 में थोड़ा पीछे चली गयी। महामारी के कारण व्यक्तिगत वाहन की ज्यादा प्राथमिकता सार्वजनिक परिवहन की तुलना में होने की वजह से इस क्षेत्र ने 2020-21 में वापसी दिखायी।

III.4.बी क्रेडिट कार्ड बकाया

हाल के वर्षों में डिजिटल भुगतान कि वजह से क्रेडिट कार्ड क्षेत्र का महत्व और बढ़ गया है। महामारी के पहले क्रेडिट कार्ड बकाया 20 प्रतिशत से अधिक की मजबूत दर से बढ़ रहा था लेकिन लॉकडाउन लगने की वजह से इसके विकास में तेजी से गिरावट आयी। ऐसा इसलिए था क्योंकि लॉकडाउन के दौरान ई-कॉमर्स पोर्टल सहित अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद थे। अर्थव्यवस्था के खुलने के बाद क्रेडिट कार्ड बकाया वृद्धि में फिर से बढ़ोतरी होने लगी; इसमें रिजर्व बैंक द्वारा क्रेडिट कार्ड बकाया के भुगतान पर स्थगन ने भी कुछ हद तक मदद की।

III.4.सी. आवास ऋण

नवंबर 2020 में आवास ऋण बैंकों द्वारा दिए गए कुल व्यक्तिगत ऋण का 50 प्रतिशत से भी अधिक था। व्यक्तिगत ऋण क्षेत्र में यह क्षेत्र वृद्धि का प्रमुख संचालक है। आवास ऋण वृद्धि में मार्च 2020 में गिरावट देखी गयी और यह गिरावट महामारी की वजह से 2020-21 तक और बढ़ गयी। तेजी से गिरावट चिंता का विषय है क्योंकि यह स्टील, सीमेंट, और निर्माण आदि पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। कुछ घुमाव के चिन्ह हैं, जैसा देखा गया है कि सरकार द्वारा संपत्ति की खरीदारी में सहायता देने की वजह से इस क्षेत्र में उछाल के संकेत हैं। जैसे ही 2021 या उसके बाद अर्थव्यवस्था की गति बढ़ती है, आवास ऋण में उछाल की आशा की जा सकती है।

IV. क्षेत्रीय ऋण मांग की ब्याज दर संवेदनशीलता: कुछ अनुभवजन्य खोजें

ऋण मांग की ब्याज दर संवेदनशीलता, कुल गैर-खाद्य ऋण और साथ ही अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों के लिए ऋण, औसत रूप से भारित कॉल दर (डबल्यूएसीआर) में बदलाव के संबंध में

अनुमान लगाया गया है। चूंकि डबल्यूएसीआर मौद्रिक नीति का परिचालन लक्ष्य है और इसे नीति दर के साथ निकटता से जोड़ा गया है, इसलिए इसे अनुभवजन्य विश्लेषण में नीति दर के लिए एक प्रॉक्सि के रूप में इस्तेमाल किया गया है।

ऋण मांग की ब्याज दर संवेदनशीलता निम्नलिखित समीकरण द्वारा अनुमानित की जाती है:

$$\Delta credit_t = cons + \sum_{i=1}^2 \alpha_i \Delta credit_{t-i} + \sum_{j=0}^p \beta_j \Delta gdp_{t-j} + \sum_{k=0}^q \gamma_k call_{t-k} + \sum_{l=0}^r \delta_l gnp_{t-l} + dum + \varepsilon_t$$

जहाँ $\Delta credit$ तिमाही के दौरान (नाममात्र) ऋण में तिमाही (तिमाही-दर-तिमाही) की वृद्धि को मौसमी रूप से समायोजित वार्षिक रूप से संदर्भित करता है; $\Delta credit_t = \ln(\frac{credit_t}{credit_{t-1}}) \times 400$; Δgdp एक तिमाही के दौरान नाममात्र जीडीपी में मौसमी रूप से समायोजित वार्षिक तिमाही-दर-तिमाही विकास को संदर्भित करता है $\Delta gdp_t = \ln(\frac{gdp_t}{gdp_{t-1}}) \times 400$; भारित औसत कॉल मनी दर के लिए कॉल स्टैंड, जीएनपीए है कुल अग्रिम अनुपात के लिए सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति; 2016-17 के लिए डम वैल्यू 1 लेता है ; 03 और शून्य, अन्यथा विमुद्रीकरण अवधि का प्रतिनिधित्व करता है। पैरामीटर γ ब्याज दर में परिवर्तन के लिए ऋण वृद्धि की लोचता मापता है। पी, क्यू, आर चर की लैंग लंबाई हैं³ ये अनुमान 2007-08 की पहली तिमाही से लेकर 2019-20 की चतुर्थ तिमाही के डेटा पर आधारित हैं। 2020-21 के पहले वाले दो तिमाहों के डेटा के गैर होने की वजह से, उनका इस्तेमाल नहीं किया गया है अनुमान के लिए क्योंकि अर्थव्यवस्था महामारी की वजह से तेजी से सिकुड़ती हुई अवस्था में थी। प्रतिगमन में प्रयुक्त अंतर्निहित चर नाममात्र शब्दों में हैं। प्रतिगमन परिणाम अनुबंध सारणी- टी3 में दिये गए हैं।

अनुभवजन्य अनुमानों से संकेत मिलता है कि खाद्येत्तर ऋण उद्योग और सेवा क्षेत्रों में अधिक संवेदनशीलता प्रदर्शित करने के साथ, लैंग के साथ ब्याज दरों में बदलाव के प्रति संवेदनशील है। हालांकि, विश्लेषण कृषि क्षेत्र में ऋण की मांग पर ब्याज दर में

³ ऋण, जीडीपी तथा मांग दर (कॉल रेट) ऋण को दो अवधियों तक के प्रभावित करते हैं, जबकि जीएनपीए एक अवधि तक के अंतराल के साथ ऋण को प्रभावित करता है।

परिवर्तन के किसी भी सांख्यिकीय महत्वपूर्ण प्रभाव का परिणाम नहीं पा सका। यह संभवतः इसलिए है क्योंकि कृषि को ऋण प्राथमिकता क्षेत्र के तहत कवर किया गया है और ब्याज दर के हस्तक्षेप का लाभ मिलता है, और इसलिए, ब्याज दरों में बदलाव के लिए बहुत संवेदनशील नहीं हो सकता है। एनपीए का खाद्येत्तर ऋण विकास के साथ-साथ औद्योगिक ऋण वृद्धि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

V. निष्कर्ष

क्षेत्रवार ऋण के डेटा का विश्लेषण अर्थव्यवस्था के विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों को ऋण के प्रवाह में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। हाल के दिनों में ठप्प पड़े ऋण उठाव को आर्थिक मंदी के साथ-साथ कोविड-19 जनित लॉकडाउन के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। बैंक ऋण वृद्धि, जो पहले से ही 2019-20 में घटनी शुरू हो गयी थी, महामारी के मद्देनज़र 2020-21 में इसे और एक झटका लगा। हालांकि, आर्थिक गतिविधि के धीरे-धीरे फिर से शुरू होने के साथ, कृषि और सेवा क्षेत्रों के ऋण ने हाल की अवधि में तेज़ी दर्ज की है। औद्योगिक क्षेत्र में भी, मध्यम उद्योगों के ऋण में तेज़ी आयी, जो कि सरकार और रिज़र्व बैंक द्वारा किए गए उपायों के सकारात्मक प्रभाव का संकेत है। हालांकि, बड़े उद्योगों और बुनियादी ढांचे के लिए ऋण में संकुचन चिंता का कारण बना हुआ

है। रिज़र्व बैंक ने अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों, खासकर एमएसएमई, और एनबीएफ़सी क्षेत्रों को ऋण प्रवाह की सुविधा के लिए कई उपाय किए हैं। टीएलटीआरओ में एनबीएफ़सी को शामिल करना टैप योजना पर और 5 फरवरी 2021 की मौद्रिक नीति वक्तव्य में एमएसएमई उद्यमियों को ऋण प्रवाह को प्रोत्साहित करने के उपाय इस दिशा में कदम हैं। वृद्धि को गति देने के लिए सरकार द्वारा 2021-22 के केन्द्रीय बजट में घोषित उपायों के अलावा कोविड संक्रमणों में गिरावट और टीकाकरण कार्यक्रम को तेज़ी से लागू किए जाने के फलस्वरूप अच्छे समुत्थान के लिए तैयार भारतीय अर्थव्यवस्था को देखते हुए, ऋण उठाव में बेहतरी की प्रत्याशा है।

संदर्भ:

Makinde, H.O. (2016), "Implications of Commercial Bank Loans on Economic Growth in Nigeria", *Journal of Emerging Trends in Economics and Management Sciences*, 7(3):124-136.

Yakubu, Z. and Affoi, A. Y. (2014), "An Analysis of Commercial Banks' Credit on Economic Growth in Nigeria", *Current Research Journal of Economic Theory*, 6(2): 11-15.

**अनुबंध सारणी टी 1: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा ऋण का क्षेत्रवार विनियोजन
(वार्षिक भिन्नता प्रतिशत में)**

क्रम संख्या.	क्षेत्र	नव. 19/नव. 18	दिसं. 19/दिसं. 18	जन. 20	फर. 19	मार्च 20/मार्च 19	अप्रै. 19	मई 20/मई 19	जून 20/जून 19	जुला. 20/जुला. 19	अग. 20/अग. 19	सितं. 20/सितं. 19	अक्टू. 20/अक्टू. 19	नव. 20/नव. 19
गैर-खाद्य ऋण (1 to 4)		7.2	7.0	8.5	7.3	6.7	7.3	6.8	6.7	6.7	6.0	5.8	5.6	6.0
1	कृषि गतिविधियां	6.5	5.3	6.5	5.8	4.2	3.9	3.5	2.4	5.4	4.9	5.9	7.4	8.5
2	उद्योग (सूक्ष्म, मध्यम और बड़े)	2.4	1.6	2.5	0.7	0.7	1.7	1.7	2.2	0.8	0.5	0.0	-1.7	-0.7
	2.1 सूक्ष्म	-0.1	0.1	0.5	-0.4	1.7	-2.2	-3.4	-3.7	-1.9	-1.2	-0.1	0.7	0.5
	2.2 मध्यम	-2.4	2.5	2.8	3.9	-0.7	-6.4	-5.3	-9.0	-3.1	2.8	14.5	16.7	20.9
	2.3 बड़े	3.0	1.8	2.8	0.7	0.6	2.7	2.8	3.7	1.4	0.6	-0.6	-2.9	-1.8
3	सेवाएँ	4.8	6.2	8.9	6.9	7.4	11.2	11.2	10.7	10.1	8.6	9.1	9.5	8.8
	3.1 परिवहन संचालक	8.1	7.8	6.1	5.3	4.3	5.5	5.5	3.5	5.5	5.2	3.5	6.5	10.7
	3.2 कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	-0.4	-2.8	-0.4	0.1	8.2	8.2	7.6	12.5	16.2	7.1	5.6	1.6	0.4
	3.3 पर्यटन, होटल, और रेस्तरां	13.1	15.3	17.4	16.9	17.9	15.0	17.6	16.8	18.8	17.6	19.7	12.0	18.0
	3.4 शिपिंग	5.1	5.0	-10.9	-11.8	-15.4	0.1	-16.0	-15.2	-11.9	-16.3	-14.5	-9.0	-20.5
	3.5 व्यावसायिक सेवाएँ	1.3	0.5	2.0	-2.9	3.2	1.2	1.5	3.1	6.2	3.6	2.2	5.0	-24.7
	3.6 व्यापार	4.6	5.8	4.8	6.7	4.6	7.5	6.1	6.1	9.2	12.5	11.5	14.0	14.7
	3.6.1 थोक व्यापार	2.8	6.8	8.6	13.6	5.1	10.0	11.4	10.9	16.5	19.9	21.2	22.6	26.5
	(खाद्यान्न खरीद के अलावा)													
	3.6.2 खुदरा व्यापार	6.0	5.0	1.7	1.2	4.1	5.4	1.9	2.2	3.2	6.7	4.2	7.5	5.7
	3.7 वाणिज्यिक अचल संपत्ति	17.6	15.6	14.7	15.1	13.6	14.8	13.6	11.6	11.8	6.6	5.5	3.5	5.6
	3.8 गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	29.1	27.6	32.2	22.3	25.9	30.3	29.0	25.7	24.6	17.1	12.5	9.2	7.8
	3.9 अन्य सेवाएँ	-19.5	-15.2	-8.4	-6.8	-8.6	-2.4	-0.2	1.2	-3.7	-2.3	7.0	10.8	15.8
4	व्यक्तिगत ऋण	16.4	15.9	16.9	17.0	15.0	12.1	10.6	10.5	11.2	10.6	9.2	9.3	10.0
	4.1 टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएँ	68.0	66.2	41.3	43.4	47.6	43.7	43.5	53.3	62.3	65.1	22.3	23.8	26.2
	4.2 आवास (प्राथमिकता क्षेत्र आवास सहित)	18.3	17.6	17.5	17.1	15.4	13.9	12.9	12.5	12.3	11.1	8.5	8.2	8.5
	4.3 सावधि जमा के नामे अग्रिम (एफसीएनआर (बी), एनसीएनआर, जमा आदि, सहित)	-7.7	-7.0	-2.2	6.9	-4.1	0.8	-4.3	-8.4	-4.0	-0.1	-1.6	-2.3	2.6
	4.4 व्यक्तियों को शेयर, बंधपत्रों आदि के नामे अग्रिम	-16.5	-17.8	-11.2	-11.6	-14.9	-15.4	-18.5	8.1	18.5	24.1	23.9	24.5	-6.6
	4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	24.1	25.3	31.6	33.0	22.5	4.8	-0.8	2.8	7.9	7.4	6.3	4.9	8.0
	4.6 शिक्षा	-3.3	-3.2	-3.1	-3.4	-3.3	-3.4	-3.3	-3.9	-3.8	-5.2	-4.5	-2.7	-2.6
	4.7 वाहन ऋण	4.7	7.2	9.8	10.3	9.1	8.6	6.3	7.1	8.1	8.4	8.8	8.4	10.0
	4.8 अन्य वैयक्तिक ऋण	21.1	19.4	20.7	20.6	19.7	13.7	12.3	12.1	13.3	13.0	13.2	14.3	14.9
5 (मेमो)	प्राथमिकता क्षेत्र	3.5	6.1	4.0	0.3	5.8	3.0	2.5	1.9	4.1	4.4	4.5	5.9	8.9
	5.1 कृषि गतिविधियां	6.3	5.4	6.1	5.4	3.8	4.0	3.4	2.3	4.8	4.4	5.5	7.0	7.9
	5.2 सूक्ष्म उद्यम	6.2	5.7	8.1	6.7	7.7	3.3	1.5	6.5	5.1	5.4	6.7	6.8	6.1
	5.2(a) विनिर्माण	-0.1	0.1	0.5	-0.4	1.7	-2.2	-3.4	-3.7	-1.9	-1.2	-0.1	0.7	0.5
	5.2(b) सेवाएँ	9.8	8.9	12.4	10.7	11.0	6.2	4.0	11.9	8.7	8.8	10.2	10.0	9.1
	5.3 आवास	12.3	11.9	7.6	6.3	4.0	6.4	7.0	5.4	5.1	6.4	2.2	1.5	1.9
	5.4 सूक्ष्म ऋण	45.7	47.0	53.8	50.1	58.7	28.6	26.1	24.9	3.9	2.4	0.8	0.7	-2.6
	5.5 शिक्षा ऋण	-6.0	-6.1	-6.2	-6.4	-3.8	-3.4	-3.8	-4.1	-4.1	-3.6	-3.8	-3.6	-3.6
	5.6 राज्य प्रायोजित संगठन अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए	13.5	16.9	7.8	35.1	-2.3	0.8	3.9	4.2	6.5	10.2	25.6	36.0	51.9
	5.7 कमजोर वर्ग	16.7	18.3	17.5	14.1	10.4	9.9	8.9	5.6	9.5	9.0	6.8	3.3	9.8
	5.8 निर्यात ऋण	-28.7	-18.1	-22.9	-13.2	3.5	9.7	20.8	17.1	7.6	6.2	2.6	-1.4	-2.3

टिप्पणी: 1. डेटा अंतिम है, और उन बैंकों से संबंधित है, जो एफसीबी द्वारा विस्तारित किए गए कुल खाद्येतर ऋण का 90 प्रतिशत तक कवर करते हैं।

2. प्राथमिकता क्षेत्र के तहत निर्यात ऋण केवल विदेशी बैंकों से संबंधित है।

3. मद 2.1 में सूक्ष्म और लघु के तहत विनिर्माण क्षेत्र में सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए ऋण शामिल हैं।

4. सूक्ष्म और लघु उद्यमों के मद 5.2 के अंतर्गत विनिर्माण के साथ सेवा क्षेत्र में सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए ऋण शामिल है।

5. प्राथमिकता क्षेत्र पुरानी परिभाषा के अनुसार है, और एफआईडीडी के परिपत्र एफआईडीडी.सीओ.प्लान.बीसी.54/04.09.01/2014-15 दिनांक 23 अप्रैल 2015 के अनुरूप नहीं है।

अनुबंध सारणी टी-2 : वृद्धिशील गैर-खाद्य बैंक ऋण की संरचना
(वार्षिक भिन्नता प्रतिशत में)

क्रम संख्या.	क्षेत्र	नव. 19/नव. 18	दिसं. 19/दिसं. 18	जन. 19/ जन. 20	फर. 19/ फर. 20	मार्च 20/ मार्च 19	अप्रै. 20/ अप्रै. 19	मई 20/ मई 19	जून 20/ जून 19	जुला. 20/ जुला. 19	अग. 20/ अग. 19	सितं. 20/ सितं. 19	अक्टू. 20/ अक्टू. 19	नव. 20/नव. 19
गैर-खाद्य ऋण (1 to 4)		100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100
1	कृषि गतिविधियां	11.9	9.9	10.1	10.4	8.0	7.0	6.6	4.8	10.5	10.7	13.4	17.4	18.4
2	उद्योग (सूक्ष्म, मध्यम और बड़े)	11.0	7.9	9.7	3.1	3.4	7.9	8.2	11.1	4.0	2.6	0.0	-9.7	-3.6
	2.1 सूक्ष्म	0.0	0.1	0.3	-0.2	1.1	-1.3	-2.1	-2.4	-1.2	-0.8	-0.1	1	0.3
	2.2 मध्यम	-0.4	0.5	0.4	0.7	-0.1	-1.1	-1.0	-1.7	-0.6	0.6	3.1	4	4.1
	2.3 बड़े	11.5	7.3	9.0	2.6	2.4	10.4	11.3	15.1	5.8	2.9	-3.0	-14	-8.0
3	सेवाएँ	18.8	24.0	28.4	25.9	31.0	41.8	44.1	42.7	40.9	39.2	43.1	46.4	39.5
	3.1 परिवहन संचालक	1.8	1.8	1.2	1.2	1.0	1.3	1.3	0.9	1.4	1.4	1.0	2	2.9
	3.2 कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	0.0	-0.1	0.0	0.0	0.3	0.2	0.2	0.4	0.5	0.3	0.2	0	0.0
	3.3 पर्यटन, होटल, और रेस्तरां	0.9	1.0	1.0	1.1	1.2	1.0	1.2	1.2	1.3	1.4	1.6	1	1.5
	3.4 शिपिंग	0.1	0.1	-0.1	-0.1	-0.2	0.0	-0.2	-0.2	-0.1	-0.2	-0.2	0	-0.3
	3.5 व्यावसायिक सेवाएँ	0.4	0.2	0.5	-0.9	1.0	0.3	0.4	0.9	1.8	1.2	0.7	2	-8.0
	3.6 व्यापार	3.8	4.9	3.4	5.6	4.2	6.1	5.4	5.5	8.2	12.3	11.7	15	14.1
	3.6.1 थोक व्यापार	1.0	2.5	2.7	5.0	2.2	3.7	4.5	4.4	6.6	8.6	9.3	10	11.0
	(खाद्यान्न खरीद के अलावा)													
	3.6.2 खुदरा व्यापार	2.8	2.4	0.7	0.6	2.0	2.5	0.9	1.1	1.6	3.7	2.4	4	3.1
	3.7 वाणिज्यिक अचल संपत्ति	5.7	5.2	4.2	4.9	4.8	4.8	4.7	4.2	4.3	2.8	2.4	2	2.4
	3.8 गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	28.3	27.5	25.8	21.1	28.7	30.5	31.2	28.6	27.3	22.6	17.9	14	10.9
	3.9 अन्य सेवाएँ	-22.1	-16.5	-7.4	-7.0	-9.9	-2.4	-0.2	1.2	-3.8	-2.6	7.7	12	16.0
4	व्यक्तिगत ऋण	58.3	58.2	51.8	60.6	57.6	43.2	41.0	41.5	44.6	47.5	43.4	45.9	45.8
	4.1 टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएँ	0.4	0.4	0.3	0.3	0.5	0.4	0.5	0.5	0.6	0.7	0.2	0	0.3
	4.2 आवास (प्राथमिकता क्षेत्र आवास सहित)	34.0	33.7	28.1	31.9	30.9	26.2	26.3	26.1	25.8	26.2	21.5	22	20.7
	4.3 सावधि जमा के नामे अग्रिम (एफसीएनआर (बी), एनसीएनआर, जमा आदि, सहित)	-0.9	-0.9	-0.2	0.8	-0.6	0.1	-0.5	-1.0	-0.5	0.0	-0.2	0	0.3
	4.4 व्यक्तियों को शेयर, बंधपत्रों आदि के नामे अग्रिम	-0.2	-0.2	-0.1	-0.1	-0.2	-0.1	-0.2	0.1	0.2	0.2	0.2	0	-0.1
	4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	3.5	3.7	3.8	4.5	3.4	0.7	-0.1	0.5	1.3	1.4	1.3	1	1.6
	4.6 शिक्षा	-0.4	-0.4	-0.3	-0.4	-0.4	-0.4	-0.4	-0.5	-0.4	-0.7	-0.6	0	-0.3
	4.7 वाहन ऋण	1.6	2.5	2.8	3.4	3.2	2.8	2.2	2.5	2.9	3.3	3.6	4	4.0
	4.8 अन्य वैयक्तिक ऋण	20.3	19.3	17.3	20.2	20.6	13.6	13.3	13.2	14.8	16.3	17.5	20	19.3
5 (मेमो)	प्राथमिकता क्षेत्र	15.6	27.9	15.5	1.2	27.4	13.1	11.8	9.1	19.5	23.6	25.0	34.0	45.8
	5.1 कृषि गतिविधियां	11.5	10.2	9.4	9.7	7.2	7.1	6.5	4.5	9.3	9.5	12.3	16	17.1
	5.2 सूक्ष्म उद्यम	10.6	10.0	11.9	11.3	14.2	5.6	2.7	12.2	9.3	10.9	14.2	15	12.3
	5.2(a) विनिर्माण	0.0	0.1	0.3	-0.2	1.1	-1.3	-2.1	-2.4	-1.2	-0.8	-0.1	1	0.3
	5.2(b) सेवाएँ	10.7	9.9	11.6	11.5	13.1	7.0	4.8	14.6	10.5	11.8	14.3	14	12.0
	5.3 आवास	8.6	8.5	4.7	4.5	3.0	4.5	5.3	4.2	3.9	5.5	2.0	1	1.6
	5.4 सूक्ष्म ऋण	1.8	2.0	1.8	2.0	2.4	1.3	1.2	1.3	0.2	0.1	0.1	0	-0.2
	5.5 शिक्षा ऋण	-0.6	-0.6	-0.5	-0.6	-0.4	-0.3	-0.4	-0.4	-0.4	-0.4	-0.4	0	-0.4
	5.6 राज्य प्रायोजित संगठन अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए	0.0	0.0	0.0	1.8	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0	0.0
	5.7 कमजोर वर्ग	17.2	19.2	15.3	14.2	11.9	10.8	10.4	6.8	11.2	11.9	9.5	5	13.0
	5.8 निर्यात ऋण	-0.9	-0.6	-0.6	-0.4	0.1	0.2	0.5	0.4	0.2	0.2	0.1	0	-0.1

टिप्पणी: 1. डेटा अनंतिम है, तथा उन बैंकों से संबंधित है, जो एससीबी द्वारा विस्तारित खाद्येतर ऋण का 90 प्रतिशत तक कवर करते हैं।

2. प्राथमिकता क्षेत्र के तहत निर्यात ऋण केवल विदेशी बैंकों से संबंधित है।

3. मद 2.1 सूक्ष्म और लघु के तहत विनिर्माण क्षेत्र में सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए ऋण शामिल हैं।

4. मद 5.2 सूक्ष्म और लघु उद्यमों के तहत विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र के सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए ऋण शामिल हैं।

5. प्राथमिकता क्षेत्र पुरानी परिभाषा के अनुसार है, और एफआईडीडी के परिपत्र एफआईडीडी.सीओ.प्लान.बीसी.54/04.09.01/2014-15 दिनांक 23 अप्रैल 2015 के अनुरूप नहीं हैं।

अनुबंध सारणी-टी 3: अनुमानित प्रतिगमन गुणांक

चर	खाद्येत्तर ऋण		उद्योग		सेवाएँ		कृषि	
	गुणांक	पी-वैल्यू	गुणांक	पी-वैल्यू	गुणांक	पी-वैल्यू	गुणांक	पी-वैल्यू
<i>cons</i>	18.82	0.00	19.29	0.01	31.91	0.00	31.89	0.00
$\Delta credit_{t-1}$	-0.05	0.66	0.04	0.77	-0.16	0.22	-0.37	0.01
$\Delta credit_{t-2}$	0.34	0.01	0.38	0.00	0.36	0.00	-0.00	0.97
$\Delta gdpn_{t-1}$			0.30	0.08	-0.24	0.37	0.03	0.84
$\Delta gdpn_{t-2}$	0.07	0.61						
$call_{t-1}$	-1.13	0.04	-1.61	0.02			-0.51	0.48
$call_{t-2}$					-2.45	0.03		
$gnpa_{t-1}$	-0.58	0.09	-1.18	0.04	-0.24	0.64	-2.00	0.00
<i>dummy</i>					-30.23	0.00	-20.5	0.00
R^2	0.47		0.61		0.37		0.40	
एलएम टेस्ट –(पी-वैल्यू)	0.61		0.43		0.77		0.36	
एआरसीएच टेस्ट –(पी-वैल्यू)	0.84		0.66		0.85		0.29	

टिप्पणी: डेटा उन बैंक से संबंधित है, जो कुल एससीबी द्वारा विस्तारित खाद्येत्तर ऋण का 90 प्रतिशत तक कवर करते हैं। यह आकलन तिमाही डेटा अवधि 2007-2008; ति1 के द्वारा 2019-20; ति4. पर आधारित है।